[This question paper contains 4 printed pages.]

2374 *Your Roll No.* .....

आपका अनुक्रमांक _____

M.A. History/IV Semester **A**

Course – HSM – 269

Labour in Modern India c1870–1950

(Admissions of 2009 and onwards)

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 75*

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 75*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note :– Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :– इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any **four** *questions.*
All *questions carry equal marks.*

कोई **चार** *प्रश्न कीजिए।*
सभी *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

P.T.O.

SECTION A (अनुभाग क)

1. If the Great Depression was a wake-up call, do you think that the process of Globalization offers yet another call for "global labour history"? Include suitable examples from contributors of the *International Review of Social History* (IRSH) South Asian Supplement (2006) to illustrate your arguments.

   यदि महामंदी जागरण - आह्वान था, तो क्या आपके विचार में वैश्वीकरण की प्रक्रिया 'वैश्विक श्रमिक इतिहास' के लिए एक अन्य आह्वान है ? अपने तर्कों को समझाने के लिए *International Review of Social History* (IRSH) South Asian Supplement (2006) के लेखदाताओं से उपयुक्त उदाहरण सम्मिलित कीजिए ।

2. Is gender a useful category of labour history ? What would a shift from "women" to "gender" mean for labour history ?

   क्या लिंग श्रमिक इतिहास का एक उपयोगी संवर्ग है ? 'स्त्री' के स्थान पर 'लिंग' को रखने का श्रमिक इतिहास के लिए क्या अभिप्राय होगा ?

3. The creative tension between "intellectuals" and "workers" has long played a constitutive role in the writing of labor history.

   In this vein, discuss the exchanges between Leon Fink and Ellen Fitzpatrick on the intellectual origins of "labor" history.

"बुद्धिजीवियों" और "कामगारों" के बीच सर्जनात्मक तनाव की श्रमिक इतिहास के लेखन में काफी समय तक संघटक भूमिका रही है। इस प्रवृत्ति के संदर्भ में "श्रमिक" इतिहास के बौद्धिक उद्‌भव पर लियॉन फिन्क और एलेन फिट्‌जपैट्रिक के बीच विचार-विनिमय का विवेचन कीजिए।

4. Whereas "new labour history" after the cultural turn privileges experience over structure, it recognises that workers' experience alone has no meaning apart from structural variables. Discuss and provide Indian or non-Indian examples such as Latin American labour.

'नया श्रमिक इतिहास' जबकि सांस्कृतिक मोड़ के बाद संरचना के ऊपर अनुभव को तरजीह देता है, फिर भी यह मानता है कि संरचनात्मक चरों से अलग केवल कामगारों के अनुभव का कोई अर्थ नहीं है। विवेचन कीजिए और भारतीय तथा लातीनी अमरीकी श्रमिक जैसे भारतेतर उदाहरण प्रदान कीजिए।

SECTION B (अनुभाग ख)

5. Within the literature choose any one approach to labour history that you find most convincing. Substantiate your answer with specific examples.

साहित्य के भीतर श्रमिक इतिहास के प्रति कोई एक ऐसा उपागम चुनिए जो आपको सर्वाधिक युक्तियुक्त लगता है। अपने उत्तर की विशिष्ट उदाहरणों द्वारा पुष्टि कीजिए।

6. Discuss the theories on the plantation economy and include an analysis of the relationship between colonial plantation industries and rural labour.

बागान अर्थव्यवस्था पर सिद्धांत-वादों का विवेचन कीजिए और उपनिवेशी बागान उद्योग तथा ग्रामीण श्रम के बीच संबंध का एक विश्लेषण सम्मिलित कीजिए।

7. Write a history of convict labour through an analysis of "forced" migration in the colonial period.

उपनिवेश-काल में "बलात्" प्रवसन के विश्लेषण के माध्यम से बंदी श्रमिक का इतिहास लिखिए।

8. How do race and law impinge on the experience of everyday labour in the colonial per od.

उपनिवेश काल में दैनिक श्रमिक के अनुभव पर प्रजाति तथा विधि किस प्रकार अतिक्रमण करते हैं ?